

बापू टावर के लोकार्पण की तैयारियों को देखने पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दो अक्टूबर को होगा उद्घाटन

जायजा: बापू टावर के आसपास की सड़कें चौड़ी होंगी

पटना, हिन्दुस्तान न्यूज़। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गांधी जयंती के अवसर पर सूबे के लोगों को बापू टावर को सौकात देंगे। मंगलवार को मुख्यमंत्री ने गर्दनीबाग में बापू टावर के प्रदर्श का निरीक्षण किया। उन्होंने बापू टावर के मूलतः तीसरा तल एवं पांचवें तल पर जाकर निर्माण कार्य की प्रगति का जावजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने मूलतः तल पर ही बनाये गये ओरिएंटेशन हॉल में टर्न टेबल थियेटर जो के रोटेटिंग पर्व को भी देखा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बापू टावर के आसपास की सड़कों का चौड़ाकरण कराए ताकि यहां पहुंचने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। साथ ही सड़क के किनारे वृक्षारोपण भी कराए। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान प्रेक्षागृह, प्रतीक्षा कक्ष, लाउंज, बापू के आदर्शों को आमजन में स्थापित करने के लिए कार्यों के प्रदर्शन के लिये दीर्घा, अनुसंधान केन्द्र, आर्गनल सुविधाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि बापू टावर का लोकार्पण हो जाने पर बापू की जीवनी, उनके विचारों और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी जान



बापू टावर के प्रदर्श का मंगलवार को निरीक्षण करते सीएम नीतीश कुमार। साथ में भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि।

■ मुख्यमंत्री ने बापू टावर के प्रदर्श को देखा, कहा-बापू के विचारों और आदर्शों को नई पीढ़ी जान सकेगी

■ बापू टावर में महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाएँ और उनके विचारों को प्रदर्शित किया गया है

■ टेक्नोलॉजी भवन, विश्वेश्वरैया भवन और विकास भवन में साज-सज्जा के कार्यों को भी देखा

सकेगी। यहां बापू के जीवन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाएँ, गांधी के विचार, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका, बिहार से उनके लगाव तथा उनके

आदर्शों को बेहतर ढंग से रेखांकित कर प्रदर्शित किया जा रहा है। नीतीश कुमार ने कहा कि बापू टावर बहुत अच्छा बन गया है। यह लोगों के लिये

दर्शनीय होगा। हमने इसके निर्माण कार्य को कई बार आकर देखा है। समय-समय पर सुझाव भी देते रहे हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने टेक्नोलॉजी भवन,

वर्ष 2017 में सीएम ने निर्माण की घोषणा की थी

चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह का आयोजन 10 अप्रैल 2017 से 20 अप्रैल 2018 तक किया गया था। 10 एवं 11 अप्रैल 2017 को राष्ट्रीय विमर्श कार्यक्रम के आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा महात्मा गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पटना में संग्रहालय के स्वरूप में बापू

टावर के निर्माण की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप गर्दनीबाग में सात एकड़ भूमि में भवन निर्माण विभाग द्वारा बापू की 150वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2018 को इस भवन का शिलान्यास कराया गया। छह वर्ष में यह बनकर तैयार हो गया।

भवन निर्माण सचिव ने दी विस्तृत जानकारी

निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जो भी आर्गनल बापू टावर देखने आवेंगे, वे ओरिएंटेशन हॉल में बैठकर बापू की जीवनी, उनके आदर्श एवं कार्यों तथा बिहार की गौरव गाथा को देख सकेंगे। बापू टावर का लोकार्पण 2 अक्टूबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया जाएगा।

दो भागों में बंटा है टावर, लगातार क्रम में बने हैं पांच रैम्प

बापू टावर के दो मुख्य भाग हैं। आयताकार एवं शंकुकार। जी प्लस सिक्स आयताकार भवन में तीन प्रदर्श गैलरी, प्रेक्षागृह, अस्थायी प्रदर्शनी दीर्घा, कार्यालय कक्ष, प्रतीक्षा कक्ष, म्यूजियम शॉप एवं जलपान गृह है। इसी तरह 102 फीट ऊंचे शंकुकार भवन में लगातार क्रम में निर्मित 5 रैम्प हैं। इस पर गांधी जी के जीवन से संबंधित सभी जानकारियाँ, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका, कटआउट, स्क्रीन प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदर्शित की गई है।

विश्वेश्वरैया भवन, विकास भवन की बाहरी साज-सज्जा एवं लाइटिंग कार्य को भी देखा और उसकी प्रशंसा की। इस दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव

दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

विभागाधीन तालुके के 12 वर्षीय छात्रों में लेडी के गैरी और

प्रास निवेशन के छात्र